



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 91]  
No. 91]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 6, 1983/ज्येष्ठ 16, 1905  
NEW DELHI, MONDAY, JUNE 6, 1983/JYAISTHA 16, 1905

इस भाग में निम्न पृष्ठ संलग्न वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 जून, 1983

सार्वजनिक सूचना संख्या-I पी०आर०एन०पी०/83

सं० 601/12/83-एन०पी०-I—आयात और निर्यात नीति  
के परिशिष्ट 9 के अनुच्छेद 6 के शर्तानुसार (अप्रैल, 1983—मार्च 1984 के लिए) भारत सरकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, लाइसेंसिंग वर्ष अप्रैल 1983—मार्च 1984 के लिए, अखबारी कागज आबंटन नीति जैसे इस सार्वजनिक सूचना के अनुलग्न में है एतद्वारा अधिसूचित करता है।

2. आयातिस अखबारी कागज की सभी, किसी की कीमत उपरोक्त लाइसेंसिंग वर्ष की प्रत्येक तिमाही के लिए भारत सरकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा अलग से निर्धारित होगी और भारत के राज्य व्यापार निगम नई दिल्ली के द्वारा उसकी घोषणा होगी।

जे०के० भट्टचार्य, संयुक्त सचिव

अनुसंधनक

वर्ष 1983-84 के लिए अखबारी कागज की आबंटन नीति

### 1. प्रयोज्यता :

यह नीति लाइसेंसिंग वर्ष 1983-84 के द्वीरान अखबारी कागज के आबंटन पर लागू है, जिस पर अखबारी कागज नियंत्रण आदेश, 1962 लागू होता है।

### 2. परिभाषा :

इस नीति में, "समाचारपत्र" का अर्थ होगा दैनिक समाचारपत्र अथवा कोई भी अन्य आवधिक।

### 3. प्राप्तता :

3.1 अखबारी कागज केवल समाचारपत्रों को आवंटित होगा।

3.2 अखबारी कागज के आबंटन के लिए समाचारपत्र ग्राह्य होगा अगर दैनिक समाचारपत्र के मामले में उसकी नियमितता 90 प्रतिशत और अन्य आवधिकता के मामले में 66-2/3 प्रतिशत है।

3.3 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा निम्न-लिखित के लिए भी अखबारी कागज का आबंटन प्राधिकृत किया जा सकता है।

- (1) समाचार एजेंसियों द्वारा टेलीप्रिंटर पर समाचार संप्रेषित करना,
- (2) समाचारपत्रों द्वारा मुद्रण परीक्षण,
- (3) शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए न्यून-मूल्य की पुस्तकों का मुद्रण, और
- (4) महाविद्यालय और विद्यालय की मैगजीनों का मुद्रण।

3.4 प्रकाशनों की निम्नलिखित श्रेणियां यद्यपि समाचार-पत्रों के रूप में श्रेणित की गई हैं, परन्तु वे अखबारी कागज के आवंटन के लिए पात्र नहीं होंगे।

- (1) वस्तुओं अथवा सेवाओं की विक्री को मुख्य रूप से प्रोत्साहन देने हेतु प्रकाशित जर्नल,
- (2) उपक्रमों/फर्मों/औद्योगिक सम्बन्धितों द्वारा निकाले गए गृह पत्र/पत्रिकाएँ,
- (3) कीमत सूचियां, सूचीपढ़ तथा लाटरी समाचार,
- (4) रेसिंग गाइडें तथा
- (5) सेक्स मैगजिनें।

#### 4. हक्कारी ।

4.1 किसी विद्यमान समाचारपत्र की 1983-84 के लिए अखबारी कागज की मूल हक्कारी उसके द्वारा 1982-83 में अखबारी कागज या सफेद प्रिंटिंग कागज अथवा दोनों की यथार्थ खपत, के आधार पर उसके औसत प्रसार, पृष्ठों की औसत संख्या, प्रकाशित औसत पृष्ठ छोक्त तथा प्रकाशित दिनों की संख्या को हिसाब में लेते हुए निर्धारित की जाएगी। ऐसे मामलों में जहां कि वर्ष 1982-83 के लिए फार्म एन०पी०-३ में निष्पादन विवरण प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है और उसके स्थान पर 1982 के वार्षिक विवरण की प्रति प्रस्तुत की गई है जैसा कि पैरा 6.2 में दिया गया है, उन मामलों में 1982-83 के अन्तिम तीन मास के दौरान खपत का प्रक्षेप 1-4-82 से 31-12-82 की अवधि के औसत के आधार पर निकाला जाएगा, जैसा कि वर्ष 1982 के वार्षिक विवरण में प्रदर्शित किया गया हो।

4.2 वर्ष 1983-84 की हक्कारी निर्धारित करने हेतु नियंत्रित प्रोत्साहन के लिए योजना के अन्तर्गत 1982-83 के दौरान प्राप्त किए गए और खपत किए गए अखबारी कागज को भी हिसाब में लिया जाएगा।

4.3 समाचारपत्र के सभी संस्करण (अर्थात् जिसका कहीं नाम हो, कहीं आधिकता हो, उसी भाषा में प्रकाशित किया गया हो और उसी स्वभावी के स्वामित्व में हो) घाहे के उसी स्थान से अथवा अलग-अलग स्थानों से प्रकाशित हुए हों, को एक समाचारपत्र माना जाएगा और उसकी हक्कारी सभी संस्करणों को निष्पादन विवरणों के आधार पर निकाली जाएगी।

4.4 नए समाचारपत्रों को प्रथम चार महीनों के लिए प्रारम्भिक कोटि की अनुमति दी जाएगी, जैसा कि आवेदक द्वारा प्रमार के प्रक्षेप के सन्तुष्ट होने पर भारत के समाचार-पत्रों के पंजीयक निर्धारित करेंगे, जो दैनिकों के मामले में प्रति अंक आठ मानक पृष्ठों (2,540 वर्ग सें.मी.) की अधिकतम 10,000 प्रतियों और अन्य आवधिकों के मामले में सौलह मानक पृष्ठों के अधीन होंगे।

4.5 नया समाचारपत्र जो अखबारी कागज का प्रारम्भिक कोटा प्राप्त करता है उसे प्रकाशन के तीन महीने बाद एक पत्र के अन्दर आवंटित अखबारी कागज के उचित प्रयोग का प्रमाण फार्म एन०पी०-३ में प्रस्तुत करना चाहिए। तत्पश्चात् वर्ष 1983-84 के लिए उसकी हक्कारी प्रकाशन की तारीख से वास्तविक निष्पादन और शेष कोटा यदि कोई हो, के आधार पर निश्चित की जाएगी वाकी कोटा यदि कोई हो, वह शेष वर्ष के लिए औपचारिक आवेदन प्रस्तुत करने पर दिया जाएगा।

4.6 जिस समाचारपत्र को 1981-82 में अथवा उससे पहले अखबारी कागज का आवंटन किया गया हो परन्तु जिसने 1982-83 में कोई भी अखबारी कागज प्राप्त नहीं किया, उसने आवेदन पत्र प्राप्त होने के महीने से वह अखबारी कागज का हक्कार होगा। जिन वर्षों में उसने अखबारी कागज प्राप्त नहीं किया था, उन वर्षों के लिए उसकी हक्कारी का हिसाब अनुमानित आवंटन करने के बाद किया जाएगा।

4.7 समाचारपत्रों का प्रसार (क) विक्रय की गई प्रतियों की संख्या और (ख) मुफ्त वितरित की गई प्रतियों की संख्या बिना विक्री लौटाई गई अथवा मुद्रित प्रतियां, जो न तो विक्री हों और न ही मुफ्त वितरित की गई हों, को हिसाब में लेकर निर्धारित किया जाएगा, बशर्ते यह संबंधित मुद्रण आवेदन की निम्नलिखित प्रतिशतता से अधिक न हो :—

प्रसार	वैनिक/ त्रि और द्विसाप्ताहिक	साप्ताहिक और पार्श्वक	अन्य
5,000 तक	10	15	20
प्रनिश्चित		प्रतिशत	प्रतिशत
5,000 और ।	10	10	15
10,000 के बीच	प्रतिशत	प्रतिशत	प्रतिशत
10,000 से अधिक	5	5	10
	प्रतिशत	प्रतिशत	प्रतिशत

4.8 मूल हक्कारी निकालने और उसके पुनरीक्षण करने में ट्रैस पंजीयक जैसा वह उचित समझेंगे प्रत्येक मामले में सामान्य औसत खपत पर विश्वास करते हुए निम्नलिखित की अपेक्षा कर सकते हैं :—

1. प्रसार में असाधारण अल्पावधि गिरावट जो विशेष परिस्थितियों जिसमें हड्डताल/तालाबन्ची या अन्य कारण शामिल हैं, से उत्पन्न हुई हो, और
2. समाचारपत्रों की प्रतियोगी प्रकाशनों में कार्य के बन्द होने/रुकावट होने अथवा अन्य कोई असाधारण परिस्थितियों से प्रसार में असाधारण अल्पावधि वृद्धि।

ऐसे समाचारपत्रों के मामले में जो असाधारण स्थप से लम्बी अवधि तक नहीं निकाले जा सके, उनकी हक्कारी सभी संगत तथ्यों को हिसाब में लेने के बाद निकाली जा सकती है।

4.9 अगर किसी समाचारपत्र ने वर्ष 1982-83 अथवा किसी यूनिट वर्ष में उसको आवंटित अखबारी कागज का उपयोग न किया हो तो उपयोग न की गई मात्रा को उसके वर्ष 1983-84 की हकदारी में समायोजित किया जाएगा।

4.10 समाचारपत्रों को अतिरिक्त अखबारी कागज निम्न सीमाओं तक छोड़ने की क्षतिपूर्ति के रूप में दिया जाएगा।

- |                                                |           |
|------------------------------------------------|-----------|
| (1) सभी समाचारपत्रों के लिए                    | 5 प्रतिशत |
| (2) आवधिक के लिए बहुरंग प्रिंटिंग के मामले में | 7 प्रतिशत |

4.11 आयातित अखबारी कागज और स्वदेशी अखबारी कागज के लिए समाचारपत्रों की हकदारी 48 ग्राम प्रति घर्ग मीटर के आधार पर निकाली जाएगी।

4.12 नेपा अखबारी कागज की उच्चतर ग्रामेज को रूपिट में रखते हुए नेपा मिल से अखबारी कागज लेने के संबंध में समाचारपत्र को उसकी हकदारी की अपेक्षा 15 प्रतिशत अधिक की अनुमति दी जाएगी, जिसका पैरा 4.11 के अनुसार गणन किया गया हो।

### 5. पुनरीक्षण :

5.1 जिस समाचारपत्र ने वर्ष 1983-84 के लिए अखबारी कागज की भूल हकदारी प्राप्त कर ली है, वह प्रसार में वृद्धि के आधार पर अधिक आवंटन के पुनरीक्षण के लिए वर्ष के दौरान एक बार आवेदन कर सकता है।

5.2 कोई भी पत्र, जिसकी प्रसार संख्या भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा, वावा की गयी प्रसार संख्या से कम निर्धारित की गई है, वह अधिक के पुनरीक्षण के लिए ग्राह्य नहीं होगा।

### 6. आवेदन-पत्र भेजने की प्रक्रिया :

6.1 प्रकाशक अथवा उसके द्वारा विधिवत् प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन-पत्र फार्म एन०पी०-१ और एन०पी०-२ में भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक, नई दिल्ली को भेजने चाहिए।

6.2 अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन-पत्र के साथ फार्म एन०पी०-३ में वर्ष 1982-83 के निष्पादन विवरण का प्रमाण-पत्र अथवा प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867 की धारा 19-डी के अनुसार 1982 के धार्षिक विवरण की एक प्रति वाखिल करनी अपेक्षित है। जिस समाचारपत्र की औसत प्रसार संख्या 2,000 प्रतियां प्रति प्रकाशन दिवस से अधिक है, उसका निष्पादन विवरण प्रमाण-पत्र अथवा वार्षिक विवरण जैसा भी मामला हो, सनदी लेखापाल द्वारा प्रमाणित होना चाहिए।

6.3 नए समाचारपत्रों द्वारा (उपरोक्त अनुच्छेद 4.4 के तहत) प्रारम्भिक कोटा के लिए आवेदन-पत्र फार्म एन०पी०-१ में देने चाहिए और उनके साथ निम्नलिखित होने चाहिए :—

- (1) फार्म एन०पी०-४ तथा
- (2) आवेदक द्वारा निष्पादित बॉड और जिसकी गारन्टी किसी अनुसूचित ग्रामीण या सहकारी बैंक द्वारा आवेदक की प्रारम्भिक हकदारी के अखबारी कागज के मूल्य के 20 प्रतिशत के लिए विधिवत् दी गई हो। लेख्य-मात्र्य प्रस्तुत करने पर जब भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक संतुष्ट हो जाए कि समाचारपत्र के प्रकाशन के लिए यह अखबारी कागज उपयोग किया गया है तो यह बाड रद्द कर दिया जाएगा।

6.4 हकदारी के पुनरीक्षण के लिए दिए गए आवेदन पत्रों के साथ निम्नलिखित कोगात्र होने चाहिए :—

- (1) फार्म एन०पी०-३ में 1983-84 का निष्पादन विवरण प्रमाण-पत्र (आवेदन-पत्र देने के महीने के पिछले महीने की अन्तिम तारीख तक)। ऐसे समाचारपत्रों के मामले में, जिसकी प्रसार संख्या 2,000 प्रतियां प्रति प्रकाशन दिवस से अधिक है, यह प्रमाण-पत्र सनदी लेखापाल द्वारा प्रमाणित होना चाहिए, तथा
- (2) ऐसे मामलों में जहाँ अखबारी कागज की हकदारी 300 मीट्रिक टन अथवा उसे अधिक है, वर्ष 1982-83 के तुलन-पत्र की अधिप्रमाणित प्रति।

### 7. आवेदन प्राप्त करने की अस्तित्व सारीख :

7.1 अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदनपत्र प्राप्त करने की अन्तिम तारीख 31 अगस्त, 1983 है।

7.2 हकदारी के पुनरीक्षण के लिए आवेदन-पत्र भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के पास 30 नवम्बर, 1983 के पहले पहुंच जाने चाहिए।

### 8. अखबारी कागज का आवंटन :

8.1 अखबारी कागज—स्टैण्डर्ड, रोटोग्रावर और ग्लेज़ द्वारा आवंटन साधारणतः रीलों में किया जाएगा। शीट फेड मशीन में मुद्रित होने वाले समाचारपत्र ही अपनी हकदारी केवल शीटों में प्राप्त करेंगे। अगर शीटों उपलब्ध नहीं हैं और यह प्रमाणित हो जाए कि प्रिंटिंग वास्तव में केवल शीटों में हुआ है तो रीलों को शीटों में बदलने के लिए हकदारी में 5 प्रतिशत की बढ़ीतरी की जाएगी।

8.2 300 मीट्रिक टन से न्यून हकदारी वाले समाचार-पत्र को स्वदेशी अथवा आयातित अखबारी कागज या तो भागमें अथवा पूर्ण में लेने का विकल्प प्राप्त होता।

8.3 300 मीट्रिक टन अथवा, अधिक हकदारी वाले समाचारपत्र को अखबारी कागज का आवंटन निम्न प्रकार होगा :—

- |                          |                                                                                                    |
|--------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------|
| (1) हकदारी का 20 प्रतिशत | नेपा अखबारी कागज                                                                                   |
| (2) हकदारी का 30 प्रतिशत | मैसूर पेपर मिल या/और केरल अखबारी कागज प्रो-जैक्ट से अखबारी कागज।                                   |
| (3) हकदारी का 50 प्रतिशत | आयातित अखबारी कागज (इसका कम से कम 25 प्रतिशत राज्य व्यापार निगम के बफर स्टाक से उठाया जाना चाहिए)। |

8.4 पहली बार प्रकाशन के लिए प्रस्तावित नए समाचारपत्र को प्रारम्भिक कोटि के रूप में केवल स्वदेशी अखबारी कागज का आवंटन किया जाएगा, जो पैरा 8.5 में दिए गए अपवाद (एक्सेपशन) के अधीन होगा।

8.5 वैनिक/तिन-साप्ताहिक तथा द्विसाप्ताहिक पत्रों के अलावा जिन आवधिकों का प्रकाशन तीन महीने के अधिक समय से नियमित रूप से हो रहा है, उनकी पूरी हकदारी या उसका एक हिस्सा म्लेज़ या रोटो प्रावर अखबारी कागज में देने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते कि वह उपलब्ध हो।

8.6 ऐसे तथ्यों की दृष्टि से जैसे कि अखबारी कागज की मात्रा की संभावित उपलब्धता और बफर स्टाक में पर्याप्त मात्रा बनाए रखने की आवश्यकता को देखते हुए विभिन्न स्तोत्रों से आवंटन में पुनरीभण/परिवर्तन किया जा सकता है।

8.7 अगर राज्य व्यापार निगम द्वारा लेटर्स आफ क्रेडिट की प्राप्ति के 120 दिन के भीतर लदान नहीं किया जाता तो हाई सी सेल्स के आधार पर बफर स्टाक से अनुपातिक मात्रा में आवंटन करने का प्रयत्न किया जाएगा जो बाद में फिर से पूरा किया जाएगा।

#### 9. वितरण :

9.1 आयातित अखबारी कागज के वितरण का कार्य पूर्णतया राज्य व्यापार निगम द्वारा किया जाएगा, जैसा कि इस नीति के अनुसार तथा अखबारी कागज नियंत्रण जादेश 1962 की व्यवस्थाओं के अनुपालन में भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा प्राधिकृत किया जाएगा।

9.2 हाई सी सेल्स के आधार पर डिलिवरी विदेशी संचार द्वारा चुकिंग के लिए स्वोकार को गई न्यूनतम मात्रा के अधीन होगी।

9.3 जिस समाचारपत्र को हाई सी सेल्स के आधार पर आवंटन किया जाता है उसको राज्य लघु उद्योग विकास

निगम अथवा ऐसे अन्य निगम, जो राज्य में कार्यरत हैं अथवा उनके प्राधिकृत ऐजेन्टों के द्वारा भी डिलिवरी लेने की अनुमति होगी।

9.4 ऐसा समाचारपत्र जिसकी हकदारी बहुत कम होने के कारण इस व्यवस्था में नहीं आ सकता क्योंकि वह हाई सी सेल्स आवंटन की शर्तों को पूरा नहीं करता है। वह समाचारपत्र दूसरे समाचारपत्रों के साथ अपनी हकदारी मिला सकता है और अखबारी कागज हाई सी सेल्स से, राज्य लघु उद्योग विकास निगम या कोई ऐसा अन्य निगम, जो राज्य में कार्यरत है, के द्वारा अथवा उसके लिए कार्य कर रहे प्राधिकृत ऐजेन्टों के द्वारा ले सकता है।

9.5 स्वदेशी अखबारी कागज की हकदारी के लिए प्राधिकरण सीधे भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा संबंधित मिलों को जारी किए जाएंगे।

9.6 समाचारपत्र को उसका आवंटन हाई सी सेल्स अथवा बफर स्टाक अथवा देशी स्ट्रोतों से निम्नलिखित अवधि के भीतर उठाना होगा :—

- |                            |                 |
|----------------------------|-----------------|
| 1. 50 टन से कम हकदारी वाले | 6 महीने के भीतर |
| 2. अन्य                    | 3 महीने के भीतर |

अगर कोई समाचारपत्र ऐसा करने में असफल होता है तो वह आगे अखबारी कागज के आवंटन से बंचित होने का स्वयं उत्तरदायी होगा।

10. एक समाचारपत्र को आवंटित अखबारी कागज का दूसरे समाचारपत्र के लिए उपयोग करना।

एक समाचारपत्र दूसरे समाचारपत्र को आवंटित अखबारी कागज का उपयोग नहीं करेगा यद्यपि संबंधित समाचारपत्र का वही स्वामित्व हो अथवा हाई सी सेल्स के आधार पर आयातित अखबारी कागज प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए उसकी हकदारी मिला देने की अनुमति दी गई हो (अनुच्छेद 9.4 के तहत)

11. खपत के सम्बन्ध में प्रमाणपत्रों को प्रस्तुत करना :

11.1 जिस समाचारपत्र को अखबारी कागज का आवंटन किया गया हो उसको फार्म एन०पी०-३ में वर्ष 1983-84 के लिए निष्पादन विवरण प्रमाणपत्र यदि प्रसार संख्या 2,000 प्रतियां प्रति प्रकाशन दिवस से अधिक हो तो उसे सनदी लेखापाल से विधिवत प्रमाणित करवा कर 30 जून, 1984 तक प्रेस पंजीयक को प्रस्तुत करना होगा।

11.2 जो समाचारपत्र निलम्बित हो जाना है अथवा जिसका प्रकाशन बन्द हो जाता है उसे प्रकाशन के निलम्बित/बन्द होने के एक महीने के भीतर फार्म एन०पी०-३ में निष्पादन विवरण प्रमाण-पत्र भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को प्रस्तुत करना होगा। भारत के समाचारपत्र के पंजीयक के निवेशनों के अनुसार उसे उपयोग नहीं किया गया अखबारी कागज भी वापिस करना होगा।

## 12. अपवाह :

इस नीति के अन्तर्गत किसी भी व्यवस्था के बावजूद भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक उचित और विधिमाल्य कारणों से किसी भी शर्त को हटा सकते हैं या व्यवस्थाओं में कोई भी विधायत दे सकते हैं।

## 13. फार्म :

फार्म एन०पी०-१, एन०पी०-२, एन०पी०-३ और एन०पी०-४ के नमूने संलग्न हैं।

## फार्म—आई-

## फार्म—एन०पी० १

अखबारी कागज के आवंटन के लिए समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों के आवेदन पत्र का फार्म ।

## भाग—१

1. आवेदक का नाम
2. समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का नाम, आवधिकता तथा भाषा
3. डाक का पूरा पता
4. (क) दिनांक जब से समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र नियमित रूप से प्रकाशित हो रहा है
  - (ख) भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा की गई पंजीकरण संख्या
  - (ग) जिला अधिस्टेट के यहां नवीनतम घोषणा दाखिल किए जाने की तारीख
5. सम्बन्धित का प्रकार अर्थात् सार्वजनिक/निजी स्वामित्व आदि तथा निवेशकों/भागीदारों आदि के नाम ।
6. 12 महीने के लिए अपेक्षित अखबारी कागज की मात्रा/मूल्य
7. (क) अम्बद्ध वितरण अपेक्षाएं
  - (ख) प्राधिकृत एजेन्ट का नाम
8. समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों का नाम तथा अन्य विवरण जो आवेदन के स्वामित्व में हैं

समाचारपत्र का नाम	भाषा तथा नियतकालिकता	प्रकाशन का स्थान	क्या सरकार द्वारा अखबारी कागज मिलता है ।
1	2	3	4

9. नए समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों के प्रति प्रकाशन विवरण के प्रसार आदि का विवरण
  - (क) प्रस्तावित प्रकाशन की सिथि
  - (ख) छपने के लिए प्रस्तावित प्रतियों की औसत संख्या
  - (ग) औसत पृष्ठ संख्या
  - (घ) समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों के एक पृष्ठ का औसत श्लोक (वर्ग से०मी० में)
  - (ङ) प्रकाशन दिवसों की संख्या

10. अख्खारी कागज का विवरण (ग्लेज़ड/अलग्लेज़ड/नेपा की आवश्यकता का अलग-अलग उल्लेख कीजिए)

मद संख्या	मात्रा मीट्रिक टनों में	स्नोत मूल्य (सौ अर्थों एक०) (रुपयों में)	
1	2	3	4

बर्ष 1982-83 की अवधि में की गई खपत।

बर्ष 1983-84 के लिए आवश्यकता।

11. पिछला लाइसेंसिंग वर्ष, जिसमें भारत के सभाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय से अख्खारी कागज लिया गया था।

12. (क) मरीन की किस्म (अर्थात् रोटरी/फ्लैटबेड) लेटरप्रेस।  
(ख) अपेक्षित रीलों/शीटों का आकार

#### घोषणा

- मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरी/हमारी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य और सही हैं। मैं/हम यह भली-भांति समझता हूँ/समझते हैं कि मुझे/हमें जो भी आवंटन प्रस्तुत विवरण के आधार पर स्वीकृत होगा, यदि यह सिद्ध हो जाता है कि दिए गए विवरण गलत या असत्य हैं तो वह किसी अन्य जूमनी के अलावा, जो सरकार लगा सकती है अथवा अन्य कोई कार्यवाही, जो की जा सकती है मामले की परिस्थितियों को व्याप में रखकर रह करते योग्य हैं।
- मैं/हम यह भी घोषणा करता हूँ/करते हैं कि अगर अख्खारी कागज का आवंटन किया जाता है तो वह केवल हमारे ऊपर दिए गए पते के प्रेस/ अहाता/संस्थापन में अयुक्त होगा।
- मैं/हम यह भी अच्छी तरह समझता हूँ/समझते हैं कि सारणी बद्द की गई मद(बो) का आवंटन सारणी बद्द एजेन्सी के जरिए आयात व्यापार नियंत्रण विनियम के अन्तर्गत किया जाता है और जिन शर्तों पर माल की निकासी उपयोग के लिए वही जाती है ऐसी अस्तुओं के किसी दुरुपयोग करने के उल्लंघन पर आयात तथा निर्यात (केन्द्रीय) अधिनियम 1947, यथा संशोधित तथा उसके अन्तर्गत निर्गम आदेश की व्यवस्थाओं की ओर आकृष्ट होगा।
- मैं/हम आयात नीति/आयात निर्यात प्रक्रिया की 1983-84 की इस्त-पुस्तिका के प्रासारिक उपबंधों को नोट कर लिया है।

इस्तावर .....	.....
नाम स्पष्ट अक्षरों में .....	.....
पद का नाम .....	.....
निवास स्थान का पता .....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

#### भाग—2

#### आयकर घोषणा

- उन व्यक्तियों के संबंध में जिनकी आय कर योग्य नहीं है मैं/हम एतद्वारा सत्यमिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं, कि मैं/हम किसी भी आयकर एवं अग्रिमकर देने के उत्तरदायी नहीं हूँ/हैं, अर्थोंकि मेरी/हमारी आय चालू लेखा वर्ष एवं गत चालू लेखा वर्षों में उम उच्चतम सीमा से कम रही है जिस पर कि आयकर नहीं लगता।
- उन व्यक्तियों से संबंधित जिनकी आय आयकर योग्य है। मैं/हम एतद्वारा सत्यमिष्ठा से घोषणा कहता हूँ/करते हैं कि :—
  - मैंने/हमने अपनी आज तक की आय के अपनी/हमारी देय राशि का व्यौरा/व्यौरे आयकर विभाग को दे दिया है।
  - मैंने/हमने उन्हीं कर मांगों को छोड़कर जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्थगित कर दिए गए हैं, के अतिरिक्त शेष सभी करों सहित अग्रिम कर जो हम पर आय कर अधिनियम के अन्तर्गत देय थे उनका भुगतान कर दिया है।

- (3) मैं/हम आयकर/सम्पत्तिकर छिपाने के आरोप में गत तीन कलेण्डर वर्षों के दीरान विश्वक \*सिद्धदोष घोषित नहीं किया गया/किए गए हैं।
- (4) मैं/हम एतद्वारा सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त घोषणा उन कम्पनियों जिनमें मेरे/हमारे प्रचुर हित \*\*निहित हैं/या उन व्यक्तियों की फर्म/एसोसिएशन जिसका मैं/हम क्रमशः भागीदार या सदस्य हूँ/हैं, में भी लागू होते हैं।

या

उपरोक्त घोषणा उन व्यक्तियों के लिए भी लागू होती है जो कि आवेदक कंपनी में या आवेदक एसोसिएशन के सदस्यों या आवेदक फर्म के भागीदार में प्रचुर हित \*\*रखते हैं।

स्थान.....  
दिनांक.....

हस्ताक्षर .....

पता.....

स्थाई खाता नं.....

निर्धारण करने वाले आयकर अधिकारी का  
पद.....

निर्धारण योग्य.....

\*यदि जुमने की लेधी के विलुप्त कोई अपील की गई है और अपील आयकर सहायक भायुकत, या आयकर अपील अधिकरण में रुकी पड़ी है तो ऐसी मजा (पेनलटी) इस घोषणा के लिए नहीं ली जानी चाहिए।

\*\*'प्रचुर हित' शब्दों का वही अर्थ है जो कि आयकर अधिनियम, 1961, सेक्षण 40(ए)(2) में स्पष्ट है।

फार्म—एन०पी०-२

## सभी आवेदकों द्वारा दिया जाने वाला वितरण

1. पत्र का नाम
2. भाषा/आवधिकता
3. प्रकाशन का स्थान
4. अखबारी कागज नियंत्रण आदेश, 1962 अखबारी कागज नियंत्रण (संशोधन) आदेश, 1962 द्वारा यथा संशोधित के खण्ड 5-क के अनुसार किस तारीख से गत अंक की लगातार प्रतियां प्रकाशित की जा रही हैं।
5. वर्ष 1982-83 के दीरान प्रति मास की प्रति प्रकाशन दिवस की प्रकाशित औसत पृष्ठों की संख्या (मील दूरी) (इस फार्म के अंत में संलग्न अनुदेशों के अनुसार निकाली जा सकती है)

अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त
82	82	82	82	82
सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	
82	82	82	82	82
जनवरी	फरवरी	मार्च		
83	83	83		
लेजूड	अनग्लेजूड	कूल		
(ग्राम)				)

प्रकाशक के हस्ताक्षर  
दिनांक

नोट :—कालम 5 में दिए जाने वाले अंकों के लिए अक के कुल पृष्ठों की संख्या को अंक की कुल प्रकाशित प्रतियों की संख्या में गुणा करके संबंधित प्रकाशन दिवस को प्रकाशित कुल पृष्ठों की सूचना प्राप्त की जा सकती है। मास में सभी प्रकाशित दिवसों के कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या को जोड़ लेना चाहिए। इस कुल संख्या को उस भाग के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या से भाग करके मासिक औसत संख्या प्राप्त की जा सकती है।

काम—एन०पी०-३

卷之三

1. समाचारपत्रनियतकालिक पात्र का नाम ..... 3. भाषा .....  
 2. प्रकाशन का स्थान ..... 4. आवधिकता (परियाहिसिटी)  
 क. प्रतिमास औंसत ..... के मास के दौरान

वर्ष का	औसत	फरवरी माह	दिसम्बर जनवरी फरवरी माह	बक्टूबर नवम्बर	सितम्बर	अगस्त	जून	मई
अप्रैल	८०	८३	८१	८२	८२	८२	८२	८१
१९७७	८०	८३	८१	८२	८२	८२	८२	८१

(क) मास के अनुसार वास्तविक प्रकाशन दिवसों की

३५

( छ ) प्रति प्रकाशन दिवस प्रकाशित प्रतियों की औसत संख्या

(ग) प्रति प्रकाशन दिवस बैचों गाई प्रतियां की औसत संख्या

(घ) ग्रंति प्रकाशन विवर सुन वितरित (मानार्थ, बाउचर, विनियोग, बोनस, नमूना एवं कार्यालय प्रतियों सहित) की गई प्रतियों की औसत संख्या

(८) अनंतिकी, वापिस की गई और अन्य मुद्रित प्रतियों की ओसान संलग्ना जो (ग) और

(च) समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का असर  
आकार (वर्ष से ०५० में)

(क) प्रति अंक पूँछों की ओसत संख्या  
 (ज) प्रति प्रकाशन दिवस प्रकाशित पृष्ठों की औसत

१८

ख. चर्ष के दौरान अखदारी कागज की कुल खपत

ग. वर्ष 1982-83 के दौरान सफेद प्रिंटिंग कागज की कूल खपत. (टर्नों में)

प्रकाशक के हस्ताक्षर  
प्रकाशक का नाम  
विजांक

### सनदी सेवापाल का प्रमाणपत्र

मेरे/हमने वर्ष 1982-83 के दौरान प्रकाशित संख्या ..... (पत्र का नाम, भाषा और आवधिकता) के पुस्तकों और सेवा की जांच कर ली है और अपेक्षित सभी जानकारी और विवरण प्राप्त कर लिया है। मेरे/हमारे विचार से वर्ष 1982-83 के लिए दिया गया उपरोक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी एवं लेखा पुस्तकों के बनुदार प्रदत्त विवरण में प्रसार संख्या, पृष्ठों की संख्या, जाकार और प्रकाशन दिवसों की संख्या का ही विवरण करता है।

दिनांक

सनदी सेवापाल की मुद्रा

1. उत्तर व्यक्ति का नाम एवं पद जिसने प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किए हैं:
2. पंजीकरण संख्या
3. पता

नोट:—1. यदि वर्ष के लिए योग्यत प्रसार संख्या 2,000 प्रतियां प्रति प्रकाशन दिवस से अधिक हों तो प्रमाणपत्र सनदी लेखापाल के नामांक-पत्र पर ठाईप होना चाहिए और उसके द्वारा विधिवत् प्रतिहस्ताक्षरित होना चाहिए।

2. सभी ओसत मास के बनुदार तत्संबंधी मास के दोरान निष्पादन के तथ्यों के आधार पर दिए जाने हैं।

3. (छ) में दिए जाने वाले अंकहों, मास के दौरान प्रकाशित सभी अंकों के कुल पृष्ठों के जोड़ को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या से भग भरके प्राप्त किए जा सकते हैं जबकि (ज) में दिए जाने वाले आंकड़ों का हिसाब इस प्रकार होगा: एक अंक के पृष्ठों की संख्या को उस अंक के कुल प्रकाशित प्रतियों की संख्या निकल आएगी। भग्नाने में सभी प्रकाशन दिवसों की कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या को जोड़ देना चाहिए। मात्रिक अंकहत संख्या प्राप्त करने के लिए इस कुल संख्या को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या से भग भरा जाना चाहिए।

फार्म एन०पी० -4

## नए दैनिक/नियतकालिक पत्रों के प्रकाशकों द्वारा दिया जाने वाला विवरण

1. समाचार पत्र/पत्रिका का नाम<sup>1</sup>

- (क) नाम
- (ख) भाषा
- (ग) आवधिकता

## 2. अन्तिम घोषणा देने की सारीख

## 3. प्रकाशन आरम्भ करने की प्रस्तावित सारीख

## 4. मुद्रण हेतु प्रतियों की औसत प्रस्तावित संख्या

- (क) बिश्री हेतु प्रतियों की संख्या
- (ख) सुप्त वितरण हेतु प्रतियों की संख्या

## 5. प्रकाशन का स्थान और मुद्रणालय का व्योरा

- (क) मुद्रणालय के मालिक का विवरण

नाम :

पता :

- (ख) छपाई की क्षमता

छपाई/मुद्राकार-विन्यास यंत्र (कम्पोजिंग मशीन) कार्मिक,  
माडल प्रति घंटा की गति और मशीन की वर्तमान आयु लिखें।  
(अर्थात् मशीन कब की बनी हुई है )

## 6. क्या अनुसूचित बैंक के नमूने के फर्म में बैंक की प्रत्याभूति (गारंटी) दी गई है ।

## 7. यदि हां तो बैंक का नाम और प्रत्याभूति (गारंटी) की रकम लिखें।

## 8. क्या अखबारी कागज अभिकर्ता (एजेंट) द्वारा उठाया जाएगा ।

यदि हां तो एजेंट का नाम लिखें ।

10. अखबारी कागज को उठाने की शर्त किश्तों में है या थोक में,  
बफर स्टाक/हाई सी सेल्स में

## 11. सम्पादक का नाम

## घोषणा

मैं/हम यह इस बात की घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त सत्य मेरे/हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और ठीक हैं ।

हस्ताक्षर .....

नाम साफ अक्षरों में .....

स्थान :

पद .....

सारीख :

निवास स्थान का पता .....

.....

.....

### बैंक गारन्टी के लिए फार्म

सेवा में

भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक  
(सूचना और प्रसारण मंत्रालय),  
पश्चिमी छालक-8, बिंग-2  
रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110066

प्रिय महोदय

जब कि सर्वे श्री ..... (इसके बाद 'अलाटी'  
कहा जाएगा) ने समाचारपत्र के प्रकाशनार्थ अखबारी कागज की निम्नलिखित मात्रा आयात के लिए आपसे निवेदन किया है।

नाम .....	पाता .....
आवधिकता .....	प्रकाशन का स्थान .....
लगभग मात्रा .....	लगभग सी०आई०एफ० मूल्य रुपये .....

और अबकि प्रस्तावित प्रकाशन के लिए अग्रिम आवंटन की शर्त के अनुसार, आवेदन की गई अखबारी कागज की मात्रा के लगभग मूल्य का 20 प्रतिशत के लिए अलाटी को बैंक गारन्टी देना अपेक्षित है।

अब उत्तरोवत बचनों के विचारार्थ में और अलाटी के निवेदन पर, हम (बैंक का नाम और पता) एतदधारा शर्त के रूप में अटल गारंटी देते हैं और यह कि विश्व कीमत की अद्यायगी न करने के मामले में और/अथवा आपके द्वारा निर्धारित/निर्धारित हीने वाली सभी अथवा किसी भी शर्त के पालन करने में अलाटी की ओर से अन्य कोई चूक/असफलता का भार अपने ऊपर लेते हैं और हम आपकी प्रथम मांग पर ..... रुपये तक कोई भी राशि बिना विलम्ब अथवा अलाटी को बिना किसी हृत्कामे के देंगे।

आपका यह निर्णय कि अलाटी की ओर से चूक/असफलता हुई है, अन्तिम निर्णयिक और हम पर बाध्य होगा।

यह गारन्टी अलाटी को आपके द्वारा बताई गई किसी प्रकार के बचाव अथवा अनुग्रह और/अथवा आप द्वारा निर्धारित शर्तों में किसी परिवर्तन द्वारा और/अथवा उसी के गठन में और अथवा अलाटी द्वारा प्रभावित नहीं होगी।

यह गारंटी जारी होने की तारीख से तीन महीने की अवधि के लिए विधिमान्य है और उसकी समाप्ति को तारीख के छः महीने भीतर उसके अन्तर्गत रकम की मांग भेजनी चाहिए।

दिनांक :

भववीय

प्राप्तिकृत बैंक अधिकारी के हस्ताक्षर

#### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 6th June, 1983

Public Notice No. 1-PR-NP/83

No. 601/12/83-NPI (RNI):—In terms of para 6 of Appendix 9 to the Import and Export Policy for April 1983—March 1984, the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting hereby notify the Newsprint Allocation Policy for the licensing Year April 1983—March 1984 as in the Annexure to the Public Notice.

The price of imported newsprint in all varieties will be fixed separately by the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting for each quarter of the above licensing year and the same will be announced through the State Trading Corporation of India, New Delhi.

J. K. BHATTACHARYA Lt. Secy,

#### ANNEXURE NEWSPRINT ALLOCATION POLICY, 1983-84

##### 1. Applicability :

This Policy is applicable to the allocation of newsprint to which the Newsprint Control Order, 1962 applies, during the licensing year 1983-84.

##### 2. Definition :

In this policy, a "newspaper" shall mean a daily newspaper or any other periodical.

##### 3. Eligibility :

3.1. Newsprint shall be allocated to newspapers only.

3.2. A newspaper shall be eligible for allocation of newsprint if it has a regularity of 90 per cent in case it is a daily newspaper and 66-2/3 per cent in case it has any other periodicity.

3.3. Allocation of newsprint may also be authorised by the RNI for the following:—

- (i) Transmission of news over teleprinters by news agencies;
- (ii) Trial printing by newspapers;
- (iii) Printing of low-price books for promotion of education; and
- (iv) Printing of college and school magazines.

3.4. The following categories of publications although categorised as newspapers shall not be eligible for allocation of newsprint:

- (i) Journals published primarily to promote sale of goods or services;
- (ii) House journals/magazines brought out by undertakings/firms/industrial concerns;
- (iii) Price lists, catalogues and lottery news;
- (iv) Racing guides; and
- (v) Sex Magazines.

#### 4. Entitlement:

4.1 The basic entitlement of newsprint for 1983-84 of an existing newspaper will be determined on the basis of actual consumption of newsprint or white printing paper or both in 1982-83, taking into account its average circulation, average number of pages, average page area published and the number of publishing days. In a case where performance particulars certificate for 1982-83 in form NP-3 has not been submitted and instead a copy of the annual statement for 1982 has been submitted as provided for in para 6.2, the projection of consumption during the last three months of 1982-83 will be made on the basis of the averages for the period from 1-4-1982 to 31-12-1982, as reflected in the annual statement for 1982.

4.2 Newsprint obtained under the scheme for export promotion and consumed during 1982-83 will also be taken into account in determining the entitlement of 1983-84.

4.3 All the editions of a newspaper (i.e. bearing the same title, having the same periodicity, published in the same language and owned by the same owner), whether published from the same place or from different places would be treated as one newspaper and its entitlement will be calculated on the basis of the performance particulars in respect of all the editions taken together.

4.4 A new newspaper will be allowed an initial quota of newsprint for the first four months, as determined by the RNI, upon his satisfaction of the projection of circulation by the applicant, subject to a maximum of 10,000 copies per issue of eight standard pages (2,450 sq. cms.) in the case of dailies and

of sixteen standard pages in the case of other periodicals.

4.5 A new newspaper which receives an initial quota of newsprint should produce within a fortnight after three months of publication, evidence of proper utilisation of the newsprint allocated to it, in Form NP-3. Thereafter, its entitlement for the year 1983-84 from the date of publication will be determined on the basis of actual performance and the balance quota, if any, released on submission of a formal application for newsprint for the rest of the year.

4.6 A newspaper which was allocated newsprint in 1981-82 or any earlier year but which did not obtain any newsprint in 1982-83 will be entitled to get newsprint from the month of receipt of its application. Its entitlement will be calculated after making notional allocation for the years in which newsprint had not been obtained by it.

4.7 The circulation of a newspaper will be determined taking into account (a) the number of copies sold and (b) the number of copies distributed free, returned unsold or printed but neither sold nor distributed free, provided these do not exceed the following percentage of the respective print order:

Circulation	Dailies/ tri & bi-week- lies	Week- lies & fort- night- lies	Others
Upto 5,000	10%	15%	20%
Between 5,000 and 10,000	10%	10%	15%
Above 10,000	5%	5%	10%

4.8. In working out the basic entitlement and in revising it, RNI may, as considered appropriate by him in each case and relying on the normal average consumption, ignore:

- (i) abnormal short-term fall in circulation arising from special circumstances, including strikes/lockouts or other reasons; and
- (ii) abnormal short-term increase in circulation attendant upon the closure/disruption of work in competing newspapers or any other extraordinary circumstances.

In the case of newspapers which could not come out for an abnormally long period, the entitlement may be worked out after taking into account all relevant factors.

4.9. If a newspaper had not utilised any quantity of newsprint allotted to it in 1982-83 or in any previous year, the unutilised quantity will be adjusted against its entitlement for 1983-84.

4.10 Extra newsprint upto the limits indicated below will be allowed to newspapers as wastage compensation:

(i) for all newspapers	5%
(ii) for periodicals in the case of multi-coloured printing	7%

4.11 The entitlement of a newspaper for imported newsprint as also for indigenous newsprint will be worked out on the basis of 48 gsm.

4.12 In respect of newsprint from the NEPA mills, a newspaper will be allowed 15% more than its entitlement for such newsprint calculated in accordance with para 4.11, in view of the higher grammage of NEPA newsprint.

#### 5. Revision:

5.1 A newspaper which secures the basic entitlement or newsprint for 1983-84, can apply once during the year for upward revision of the allocation on the basis of increase in its circulation.

5.2 No newspaper whose circulation has been assessed by RNI to be lower than that claimed by it will be eligible for upward revision.

#### 6. Procedure for submission of applications:

6.1 Applications for allocation of newsprint should be made by the publisher or a person duly authorised by him in this behalf in Forms NP-1 and NP-2 and should be addressed to the Registrar of Newspapers for India, New Delhi.

6.2 Applications for allocation of newsprint should be accompanied by a Performance Particulars Certificate for 1982-83 in Form NP-3 or a copy of the annual statement for 1982 required to be filled under Section 19 D of the PRB Act, 1867. In the case of a newspaper whose average circulation exceeds 2,000 copies per publishing day, its Performance Particulars Certificate or the annual statement as the case may be, should be certified by a Chartered Accountant.

6.3. Applications for initial quota by new newspapers (*vide* para, 4.4 above) should be made in Form NP-1 and should be accompanied by—

- (i) Form NP-4; and
- (ii) a bond executed by the applicant and duly guaranteed by any scheduled, rural or cooperative bank for 20 per cent of the value of the newsprint to which the applicant is entitled initially. This bond will be cancelled on the production of documentary evidence to the satisfaction of the RNI to show that the newsprint had been utilised for the publication of the newspaper.

6.4 Applications for revision of entitlement should be accompanied by the following documents:—

- (i) Performance Particulars Certificate for 1983-84 (upto the end of the month preceding the month in which the application is made) in Form NP-3. In case of publications with a circulation of more than 2,000 copies per publishing day, this must be certified by a Chartered Accountant; and
- (ii) an authenticated copy of the balance-sheet for the year 1982-83 in cases where the entitlement of newsprint is 300 tonnes or more.

#### 7. Last date for receipt of applications :

7.1 The last date for receipt of applications for allocation of newsprint is 31st August, 1983.

7.2 Applications for revision of entitlement should reach RNI before November, 30, 1983.

#### 8. Allotment of newsprint:

8.1. Allotment of newsprint-standard, rotogravure and glazed—will generally be made in reels. A newspaper printed on sheet-fed machine will, however, receive its entitlement only in sheets. In case sheets are not available, the entitlement will be raised by 5 per cent for conversion of reels into sheets on giving proof that printing is actually carried out only in sheets.

8.2. A newspaper with an entitlement of less than 300 tonnes will have the option to obtain indigenous or imported newsprint either in part or in full.

8.3. The allocation of newsprint for a newspaper whose entitlement is 300 tonnes or more will be as follows:

- (i) 20% of the entitlement—Nepa newsprint
- (ii) 30% of the entitlement—Newsprint from Mysore Paper Mills or/and Kerala Newsprint Project.
- (iii) 50% of the entitlement—Imported newsprint (atleast 25% of this should be lifted from the STC's buffer stock).

8.4. In the case of a new newspaper which is proposed to be published for the first time, only indigenously produced newsprint will be allocated to it as initial quota, except to the extent mentioned in para 8.5.

8.5. Periodicals other than dailies, tri-weeklies and bi-weeklies which have been in regular publication for more than three months may be allowed to obtain their full entitlement or a portion thereof in glazed or rotogravure newsprint, subject to availability.

8.6. The allotment from different sources may be revised/varied in the light of such factors as quantities of newsprint likely to be available and the need to maintain adequate buffer stocks.

8.7. If shipment is not effected within 120 days of receipt of Letters of Credit by STC, efforts will be made to allot proportionate tonnage from the buffer stock on high sea sales basis which will be later replenished.

#### 9. Distribution:

9.1. The work relating to distribution of imported newsprint will be handled entirely by the STC as authorised by the RNI in accordance with this policy and in compliance with the provisions of the Newsprint Control Order, 1962.

9.2. Delivery on high sea sales basis will be subject to the minimum quantity being accepted for booking by the foreign supplier.

9.3. A newspaper which is given allotment on high sea sales basis, will be allowed to take delivery also through the State Small Industries Development Corporation or any other such Corporation functioning in the state or through its authorised agents.

9.4. A newspaper which does not fulfil the condition of high sea sales allocations because of its individual entitlement being too small to be covered by that arrangement, can club its entitlement with those of other newspapers and get newsprint on high sea sales basis through either the State Small Industries Development Corporation or any other such Corporation functioning in the State or through its authorised agents.

9.5. Authorisation for entitlement of indigenous newsprint will be issued by the RNI direct to the Mills concerned.

9.6. A newspaper shall lift its allotment from high sea sales or buffer stock or from indigenous sources within the periods specified below: —

(i) with entitlement of less than—Within 6 months  
50 tonnes

#### (ii) Others—within 3 months

If a newspaper fails to do so, it is liable to lose further allotment of newsprint.

#### 10. Use of newsprint allocated to one newspaper for another newspaper:

One newspaper shall not make use of the newsprint allotted to another newspaper even though the newspapers concerned have the same ownership or have been allowed to club their entitlement for the purpose of obtaining imported newsprint on high sea sales basis (*vide* para 9.4.).

#### 11. Submission of certificates regarding consumption:

11.1 A newspaper which is allotted newsprint shall submit to the RNI a Performance Particulars Certificate for 1983-84 in Form NP-3 not later than 30th June, 1984, duly certified by a Chartered Accountant, if the circulation is over 2,000 copies per publishing day.

11.2 A newspaper which suspends or ceases the publication shall submit to the RNI a Performance Particulars Certificate in Form NP-3 within a month of the suspension/cessation of its publication. It shall also surrender the newsprint not utilised by it as per directions of the RNI.

#### 12. Exceptions:

Notwithstanding anything contained in this Policy, the RNI may waive any of the requirements or relax any of these provisions for good and valid reasons.

#### 13. Forms:

Specimen of Forms NP-1, NP-2, NP-3, and NP-4 are attached.

#### Form NP-I

#### FORM-I

#### APPLICATION FORM FOR ALLOTMENT OF NEWSPRINT TO NEWSPAPERS/PERIODICALS— PART I

1. Name of the Applicant
2. Name of the Newspaper/periodicals and language & Periodicity
3. Full Postal address
4. (a) Date from which newspaper/periodical is regularly published.  
(b) Registration Number as given by Registrar of Newspapers for India  
(c) Date of filing the latest declaration with District Magistrate.
5. Nature of concern i.e. Public/Private/Proprietorship etc. and names of Directors/Partners etc.

6. Quantity/value of newsprint required for 12 months.
7. (a) Phased delivery requirement :
- (b) Name of the agent authorised :
8. Name and other Particulars of newspapers/periodicals owned by the applicant :

Title of the paper	Language & Periodicity	Place of publication	Whether getting newsprint through Government
1	2	3	4

9. Particulars of circulation etc. per publishing day for the new Newspapers/Periodicals :

- (a) Date of proposed publication :
- (b) Average number of copies proposed to be printed :
- (c) Average number of pages :
- (d) Average area of one page of newspaper/periodical (in. sq. cms.)
- (e) Number of publishing days :

10. Particulars of newsprint (Specify Glazed/Unglazed/Nepa separately)

Item No.	Qty. in Mtrs.	Source	Value (CIF) in Rs.

Consumed during 1982-83 :

Required for the year 1983-84 :

11. Last licensing year in which newsprint was taken from the office of RNI.
12. (a) Type of Machine (i.e. Rotary/Flatbed/letter press) :
- (b) Size of reels/sheets required

#### DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any allotment made to me/us on the basis of the Statement furnished is liable to cancellation, in addition to any other penalty that the Govt. may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statement or facts therein are incorrect or false.

2. I/We declare that the newsprint, if allotted will be used in our press/premises/establishments at the above-mentioned address.

3. I/We also fully understand that the allocation of canalised item(s) through the canalising agency is made under the Import Trade Control Regulations and violation of the condition on which such goods are released to use any misuse of such goods will attract the provisions of Imports and Exports (Control) Act, 1947, as amended and orders issued thereunder.

4. I/We noted the relevant provisions contained in the Import Policy/Hand Books of Import Export Procedures, 1983-84.

Signature .....

Name in Block Letters.....

Designation .....

Address .....

**PART-II**  
**INCOME-TAX DECLARATION**

(a) In case of persons not having taxable Income. I/we hereby solemnly declare that I/We are not liable to pay any Income Tax including advance tax as the Income earned by me/us during the current accounting year and last four accounting years has been below the maximum limit not chargeable to tax.

(b) Income of persons having taxable Income.

I/We hereby solemnly declare that :

1. I/We have furnished to the Income-tax Department the return(s) of income due from me/us till date.
2. I/We have paid all taxes including advance tax due from me/us under the Income-Tax Act other than the tax demand which has been stayed by the competent Authority.
3. I/We have not been penalised\*/convicted for concealment of income/wealth during the last three calendar years.

I/We hereby solemnly declare that the above declaration also applied in the case of Companies in which I/We am/are having substantial interest\*\* or the firms or associations of persons in which I/We am/are Partner(s) or member(s) respectively.

**OR**

The above declaration is applicable in case of persons having substantial interest\*\* in the applicant Company or members of the applicant association or Partners of the applicant firm.

Place.....	Signature .....
Date.....	Address.....
	.....
	Permanent A/C No.
	Designation of the ITO
	with whom assessed.....
	Assessable.....

\* If an appeal has been filed against the levy of penalty and the appeal is pending before the Appellate Assistant Commissioner of Income Tax Appellate Tribunal, such penalty need not be taken not for the purpose of this declaration.

\*\* The words "substantial interest" shall have the same meaning as in the explanation to Section 40(A)(2) of the Income Tax Act, 1961.

Form NP-2

**STATEMENT TO BE GIVEN BY ALL APPLICANTS**

1. Name of the newspaper
2. Language/Periodicity
3. Place of publication
4. Date from which the number of copies of the previous issue are being continuously published as per requirement of clause 5A of the Newsprint Control Order, 1962 [as amended by the Newsprint Control (Amendment) Order 1962].
5. Monthwise average number of pages printed per publishing day during 1982-83 (mileage) (to be worked out as per instructions given at the end of this form)
 

April	May	June	July	Aug.	Sept.
82	82	82	82	82	82
Oct.	Nov.	Dec.	Jan.	Feb.	March
82	82	82	83	83	83
6. Consumption of newsprint obtained under the scheme of export promotion and consumed during 1982-83.
 

Glazed	Unglazed	Total
(.....gms)		

Signature of the publisher

Date :

Note : The figures to be given against Col-5 should be worked out by taking the total number of pages of an issue multiplied by the total number of copies printed to that issue, which will give the information about the total number of pages printed on the relevant publishing day. The total no. of pages printed on all the publishing days in a month should be added. The monthly average should be arrived at by dividing this total by the total number of publishing days in that month.

**FORM OF PERFORMANCE PARTICULARS CERTIFICATE REGARDING CIRCULATION ETC. FOR THE PERIOD FROM  
0-4-82 to 31-3-83**

1. Name of the Newspaper/Periodical \_\_\_\_\_

2. Place of Publication \_\_\_\_\_

3. Language \_\_\_\_\_

4. Periodicity \_\_\_\_\_

A. Monthwise averages

During the month of

	Apr. 82	May 82	June 82	July 82	Aug. 82	Sept. 82	Oct. 82	Nov. 82	Dec. 82	Jan. 83	Feb. 83	March 83	Average for the year
(a) Actual no. of publishing days monthwise.													
(b) Average no. of copies printed per publishing day.													
(c) Average no. of copies sold per publishing day.													
(d) Average no. of copies distributed free per publishing day (including complementary voucher, exchange bonus sample and Office copies).													
(e) Average no. of unsold returns and other copies printed but not included in (c) & (d).													
(f) Average size of the newspaper/periodical (in sq. cm.)													
(g) Average no. of pages per issue.													
(h) Average no. of pages printed per publishing day.													
B. Total consumption of newsprint during the year (in tonnes) .....													
C. Total consumption of white printing paper during the year 1982-83 (in tonnes) .....													

Signature of the Publisher.....

Name of the Publisher.....

Date .....

**CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANTS**

I/We have examined the books and account of M/s \_\_\_\_\_ (Name, language and periodicity of the paper) published for the year 1982-83 and have obtained all the information and explanation required by us. In my/our opinion the statement set forth above reflects true and correct analysis of circulation, page, size and number of publishing days for the year 1982-83 to the best of my/our information and belief and according to the explanation given to me/us by the books of account etc.

Date : \_\_\_\_\_

Signature \_\_\_\_\_

Stamp of the Chartered Accountant

1. Name and signature of the person who has signed the certificate \_\_\_\_\_
2. Registration No. \_\_\_\_\_
3. Address : \_\_\_\_\_

**NOTE :**

1. If the average circulation for the year is more than 2,000 copies per publishing day, the certificate should be typed on the letter head of a Chartered Accountant and should be duly countersigned by him.
2. All the averages have to be given monthwise on the basis of the particulars of performance during the relevant month.
3. The figures to be given against (g) should be arrived at by adding the total number of pages of all the issues published during a month and dividing the total by the number of publishing days in that month, while the figures against (h) should be worked out like this : The number of pages of an issue multiplied by the total number of copies printed of that issue will give the information about the total number of pages printed on the relevant publishing day. The total number of pages printed on all the publishing days in a month should be added. The monthly average should be arrived at by dividing this total by the total number of publishing days in that month.

## STATEMENT TO BE GIVEN BY THE PUBLISHERS OF NEW DAILIES/PERIODICALS

1. Name of the Newspaper/Periodical :
  - (a) Name
  - (b) Language
  - (c) Periodicity
2. Date of filing the latest declaration:
3. Proposed date of commencement of the publication:
4. Average number of copies proposed to be printed :
  - (a) Number of sale :
  - (b) Number of free distribution :
5. Place of printing and particulars of the Press :
  - (a) Particulars of the owner of the press :
 

Name  
Address
  - (b) Printing capacity :
 

Details of printing/composing machine indicating the make, model, speed per hour and present life of the machine.
6. Whether bank guarantee has been executed in the specimen Form of the Scheduled bank.
7. If so, the name of the bank and value of the guarantee.
8. Whether newsprint is to be lifted through agent.
9. If so, the name of the agent.
10. The term of lifting newsprint in instalments or in one lot, buffer stock/high sea sales :
11. Name of the Editor :

## DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief.

Place :

Signature .....

Date :

Name in the Block Letters .....

Designation .....

Residential Address : .....

## PROFORMA OF BANK GUARANTEE

To

The Registrar of Newspapers for India  
(Ministry of Information & Broadcasting,  
West Block 8, 2nd Floor, Wing No. 2,  
R.K. Puram, New Delhi-110066.

Dear Sir,

Whereas M/s.....(hereinafter referred to as "Allottee") have applied to you for import of the under-mentioned quantity of newsprint for publication of the newspaper :

Name.....	Language .....
Periodicity.....	Place of Publication.....
Approx. Quantity	Approx. CIF Price Rs.

And whereas as per conditions of the advance allocation for the proposed publication, Allottee is required to have a Bank Guarantee for 20% of the approximate value of the newsprint quantity applied for.

Now in consideration of the above premises and at the request of the Allottee, we (Name and address of the Bank) hereby, unconditionally irrevocably guarantee and undertake that in the event of non-payment of sale price and/or any other default/failure on the part of Allottee to observe all or any of the conditions prescribed/to be prescribed by you. We shall on your first demand pay to you any sum up to Rs..... without demur or without any reference to Allottee.

Your decision that there has been a default/failure on the part of the Altottee shall be final, conclusive and binding on us.

This guarantee shall not be affected by any forbearance or indulgence of any kind shown by you to the Allottee and/or any change in the conditions prescribed by you and/or in the constitution of the same and/or the Allottee.

This guarantee is valid for a period of three months from the date of issue and a claim under it must be referred within six months of the date of its expiry.

Yours faithfully,

Signature of the Authorised Bank Officer